ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 18-08-2023

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-08-18 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-08-19	2023-08-20	2023-08-21	2023-08-22	2023-08-23
वर्षा (मिमी)	15.0	15.0	20.0	50.0	45.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	32.0	32.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	27.0	27.0	26.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	85	95	95
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	60	55	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	10	10	12	10
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	70	70	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	8	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (11-17 अगस्त) में 33.6 मिमी बारिश दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.6 से 34.0 डिग्री सेल्सियस और 23.9 से 27.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान आसमान साफ रहने के साथ-साथ कभी-कभी बादलो से भी घिरा रहा। सुबह की सापेक्ष आर्द्रता 07:12 बजे 84 से 95% के बीच रही और शाम को 1412 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 64 से 83% के बीच रही। हवा की गति 0.1 से 3.7 किमी प्रति घंटा रही और दिशा अधिकतर उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर थी। 23 अगस्त तक आने वाले पांच दिनों का पूर्वानुमान 15-50 मिमी तक हल्की से मध्यम वर्षा दर्शाता है जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 28-34 डिग्री सेल्सियस और 25-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा । हवा की गति 10-12 किमी प्रति घंटा के बीच होगी और हवा की दिशा अधिकतर पूर्व-उत्तर-पूर्व होगी। 18, 21 और 22 अगस्त को छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/आंधी चलने की संभावना है। चेतावनी: 18, 21 और 22 अगस्त के लिए बिजली/तूफान और तीव्र बारिश के संबंध में पीला अलर्ट दिया गया है।

सामान्य सलाहकार:

9 से 16 अगस्त तक साप्ताहिक औसत वर्षा सामान्य के मुकाबले 145.8 मिमी थी जो राज्य में अत्यधिक वर्षा को दर्शाती है। एनडीवीआई कंपोजिट 0.2-0.4 के बीच था, जिससे मध्यम कृषि शक्ति का पता चलता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान आदि की जानकारी के लिए "मेघदूत ऐप" डाउनलोड करें बिजली संबंधी जानकारी पाने के लिए कृषि मौसम संबंधी सलाह और "दामिनी ऐप"। मेघदूत और दामिनी ऐप्स कर सकते हैं गूगल प्ले स्टोर (Android उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें मदद मिलेगी कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेना।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए कृषि गतिविधियाँ उसी के अनुसार की जा सकती हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	खेत में जल निकासी का उचित प्रबंध रखें और नियमित निराई-गुड़ाई करते रहें। धान में जीवाणु झुलसा रोग के लक्षण दिखे जैसे पत्तियों पर जलसिक्त धब्बे बनकर उनके धीरे धीरे बढ़कर लम्बी धारियां बन जाना। यही धारियां धीरे धीरे हलके भूरे रंग की हो जाती है। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने हेतु खेत में जल भराव ना रखें। इसके साथ ही नाइट्रोजन की मात्रा फिलहाल रोक लेनी चाहिए और अधिक बीमारी पर 15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 500 ग्राम कॉपर ओक्सीक्लोराइड को 1000 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करें। सभी खेती कार्यो को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करे।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और झुलसा रोग के लक्षण दिखने (लम्बे तथा अण्डाकार नाव के आकार के पीले से भूरे राण के धब्बे) पर मैंकोजेब या जिनेब 75 डब्लू पी की 1. 5 -2. 0 कि. ग्रा. मात्रा को 750 -800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से डालें। दूसरा छिड़काव प्रथम के 10 -15 दिन बाद करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के नुकसान से बचने के लिए क्लोरान्ट्रा नीलीप्रोले 18.5 एससी का 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करना चाहिए। सभी रासायनिक छिड़काव और कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँग	दलहनी फसल की बुआई मध्य अगस्त तक पूरी कर लेनी चाहिए. बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
काला चना	दलहनी फसल की बुआई मध्य अगस्त तक पूरी कर लेनी चाहिए. बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण का कार्य नियमित रूप से करना चाहिए। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
मूँगफली	मूंगफली में बुवाई के 15 -20 दिनों के अंतराल पे निराई कर लेनी चाहिए और खरपवारों को रासायनिक विधि से नष्ट करने के लियेलिए पेंडीमिथलीन 30 ई. सी., 3. 3 ली. या एलाक्लोर 50 ई. सी. की 4 ली. मात्रा को 500 -700 लीटर पानी मे घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के जमाव से पूर्व छिड़कना चाहिए। जिप्सम की शेष मात्रा तथा बोरेक्स की सम्पूर्ण मात्रा फसल की 3 सप्ताह की अवस्था में टॉप ड्रेसिंग के रूप में बिखेर कर प्रयोग करें तथा हल्की गुड़ाई करके 3 -4 से मी गहराई तक मिट्टि में भली प्रकार मिला ले। कोई भी रासायनिक छिड़काव तथा खेती गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करना चाहिए।
तिल	फसल में निराई-गुड़ाई करें और खेत में मिट्टी में इष्टतम नमी होने पर नत्रजन की टॉप-ड्रेसिंग करें। सभी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
अमरूद	अमरूद की पौध के लिए ग्राफ्टिंग जारी रखनी चाहिए।
गोभी	फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों की रोपाई की जा सकती है और अगेती किस्मों में नियमित निराईगुड़ाई करनी चाहिए। खेती की सभी गतिविधियाँ पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दू	पकी हुई कद्दू वर्गीय फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करना चाहिए तथा खड़ी फसल में अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर पत्तियों को पलट कर जांच करनी चाहिए तथा यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग की फफूंद की वृद्धि हो तो उसे मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर के दर से नियंत्रित करना चाहिए।। मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायन का छिड़काव करना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है।

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
	'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।
भेंस	पानी के कारण फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जांच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए संग्रहित पानी में 1:1000 अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुनाशक दवाओं का उपयोग करें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी उपयोग किया जा सकता है। 'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए। पशुओं को गलघोटूघोटूरोग से बचाने के लिए जानवरों को साफ-सुथरे स्थान पर बांधे तथा आस-पास बरसात का पानी इकट्ठा ना होने दें। गलघोटू रोग के लक्षण दिखने पर पीड़ित पशु की नस में सफोनामाइडस जैसे सल्फामेथाजाइन या सल्फरडाईमिडेन 150 मिग्रा/किग्रा के हिसाब से तीन दिन तक पशुचिकित्सक की सलाह से दें।